डीईआई परिसर का शुक्रवार को निरीक्षण करते नैक टीम के सदस्य।

नैक के सामने डीईआई ने रखा उपलब्धियों का ब्योरा

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैकः नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिशन काउंसिल) की टीम ने दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। तीन दिन तक चले निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न संकाय का दौरा किया। यहां की कार्यप्रणाली देखी। छात्रों से पूछताछ की। शोध कार्य देखे। पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का जायजा लिया।

टीम के समक्ष संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने पांच साल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा रखा। कहा, संस्थान में श्रम और शिक्षा का मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर कार्य है। शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. पीएस सत्संगी ने बताया कि टीम से डीईआई के पुराने छात्रों से मिलवाया गया। निरीक्षण के दौरान शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

यह खूबियां भी रखी गईं

- आगरा के अलावा देश-विदेश में 430 केन्द्रों पर शिक्षा की उपलब्धता
- कमजोर बच्चों को रेमेडियल कोचिंग, रोजाना गृह कार्य से मूल्यांकन
- कम खर्च पर मूल्य आधारित गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की उपलब्धता।

4G R 76% 11:49

...ने इन मांगों पर
...ो बताया कि
...ासिक क्षेत्र है।
...र पिछड़ गया
... प्रतिबंधों की
...कास नहीं हो
...ल्ट होने के
...ा परेशान है।
...धन नहीं हैं।
...है।

ये मांगें रखीं

- आगरा-फतेहपुर सीकरी रोड पर महुअर के पास लेदर पार्क के लिए 111 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ था। अब पार्क नहीं बन रहा है। वहां इंटरनेशनल स्टेडियम और स्पोर्ट्स कालेज की स्थापना हो।
- फतेहपुर सीकरी में ऐतिहासिक तेरहमोरी बांध है। यहां झील विकसित हो। इससे पेयजल की किल्लत दूर होगी। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सीकरी आने वाले पर्यटकों को नया पिकनिक स्पॉट मिलेगा।
- आगरा में टीटीजेड के प्रतिबंध से उद्योग धंधे उजड़ गए हैं। शहर से दूर बाह, फतेहाबाद, खेरागढ़ आदि विधानसभाओं में ऐसे उद्योग लगाए जा सकते हैं, जिससे प्र... बड़े औद्योगिक घरानों को... अटल जी के पैतृक गांव... विकास की मांग रखी।
- जिले में नर्सरी विकसित... खेतों की मेढ़ों पर पौधरो... उपयुक्त स्थान मिलता है... को मुफ्त पौध दी जाए।... हरियाली बढ़ेगी।

सिपाहियों में मारपीट

...ी टेढ़ी बगिया सब्जी ... उस समय अफरा-... टर के भाव में 10 ...हियों ने एक सब्जी ...हीं सब्जी विक्रेता ने ... हमला कर दिया। ...ी और एत्मादुद्दौला ... सब्जी विक्रेता की ... किया गया है। टेढ़ी ...ा वर्दी में दो सिपाही ...। दोनों सिपाही थाना ...ा है कि दोनों ने सब्जी ...ा ही नहीं उसकी ठेल ... सब्जी वाले ने एक ... से हमला किया।

...OTICE

...n that my
...er bellow-
...ecuted by Shri
... Shri Ajay chan-
...Shri Om Prakash
...luly registered in
...egistrar, Agra in
... 1967 at pages
...o. 6335 dated

...ted by Shri Ram
...i Ladhali Lal in
...ash Son of Shri
...d in the office of
...in Bahi no. I vol-
...s 59/61 at serial
...971.
... executed by Shri
... of Shri Mewaram
...i Anand Prakash
...Dated 28.08.1997.
...here on the way
...amshabad road,
... Agra. If anyone
...ease handover it

...Prakash Sharma
...Panchawati, Taj
...ll, Agra-282001

डीईआई परिसर का शुक्रवार को निरीक्षण करते नैक टीम के सदस्य।

नैक के सामने डीईआई ने रखा उपलब्धियों का ब्योरा

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैकः नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिशन काउंसिल) की टीम ने दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। तीन दिन तक चले निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न संकाय का दौरा किया। यहां की कार्यप्रणाली देखी। छात्रों से पूछताछ की। शोध कार्य देखे। पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का जायजा लिया।

टीम के समक्ष संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने पांच साल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा रखा। कहा, संस्थान में श्रम और शिक्षा का मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर कार्य है। शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. पीएस सत्संगी ने बताया कि टीम से डीईआई के पुराने छात्रों से मिलवाया गया। निरीक्षण के दौरान शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

यह खूबियां भी रखी गई

- आगरा के अलावा देश-विदेश में 430 केन्द्रों पर शिक्षा की उपलब्धता
- कमजोर बच्चों को रेमेडियल कोचिंग, रोजाना गृह कार्य से मूल्यांकन
- कम खर्च पर मूल्य आधारित गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की उपलब्धता।

सैमरा में बच्चे ... दफनाने पर वि...

खंदौली। गांव सैमरा में क्र... जमीन पर बच्चे के शव को... समुदाय विशेष के लोगों ने वि... हंगामे की सूचना पर थाना... राजस्व विभाग की टीम मौ... गई। किसी तरह शव दफ... अनमोल (तीन) पुत्र महा... दिन पूर्व टाइफाइड हो गया थ... की सुबह बच्चे की मौत हो... 10 बजे बच्चे के शव को क्र... जमीन पर दफनाने के लिए...

कंपनी नहीं ... वेतन, हंगाम...

आगरा। डोर टू डोर कूड़ा... करने वाले कंपनियों के यहा... चालकों ने नगर निगम में... दिया। कहा पिछले तीन मही... ने उन्हें वेतन का भुगतान ना...

करीब 43 संविदा क... सुबह ट्रांसपोर्ट नगर स्थि... वर्कशाप पर हंगामा कि... निकालने से इनकार कर दि... कर्मचारी नेता विनोद इलाहाब... गए। उनके नेतृत्व में वाहन चा... निगम और कंपनी के खिला... की। इसके बाद वे सभी गाड़ि... नगर निगम पहुंच गए। वीआ... के लिए आरक्षित मार्ग पर... गाड़ियां खड़ी कर दीं। अपर न... केबी सिंह ने कंपनी के प्र... बुलाया। वेतन देने को कहा।

अकादमिक गतिविधियों और सृजनात्मक क्रियाकलापों के लिए डीईआई संस्थान बेजोड़-प्रो. प्रकाश सारंगी

कौशल आधारित शिक्षा आज की जरूरत है। हम शिक्षा के माध्यम से एक बेहतर समाज और देश की जरूरतों को पूरा करने लायक युवाशक्ति के निर्माण में संलग्न है। अध्यक्ष शिक्षा सलाहकार समिति प्रो. पी.एस. सत्संगी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है। बेहतर शिक्षा पूर्ण व्यक्तित्त्व के विकास की अनिवार्य शर्त है। यह तभी संभव है जबकि चेतना को संस्कारित कर मन की गतिकी को नियंत्रित किया जाएए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट अपने आध्यात्मिक और नैतिक वातावरण में पूर्ण मनुष्य की सार्थक खोज के पवित्र उद्देश्य से संचालित है ।

पहले दिन टीम ने कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, अभियांत्रिकी और सामजिक विज्ञान संकाय का दौरा कियाए इस दौरान विश्वविद्यालय के कौशल विकास पाठ्यक्रमों और शोध कार्यक्रमों को उल्लेखनीय पाया गयाए आज जबकि स्ट्राइड ;जत्प्क्म्द्ध के माध्यम से पूरे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए माहौल बनाने की तैयारी चल रही है तब दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के निजी प्रयासों और संसाधनों द्वारा केंद्रीकृत रूप से पूर्व ही स्थापित किए गए नौ शोध अनुभाग को टीम ने बेहद उपयोगी और आज की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना करने योग्य पाया। सृजनात्मक विकास और व्यक्तित्त्व निर्माण के प्रयासों और कोर पाठ्यक्रमों को नैक टीम ने अनूठा पाया। स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों में जेंडर संवेदनशीलता और पर्यावरण संबंधी अध्ययन पर विशेष रूप से तारीफ मिली। टीम ने विशेष तौर पर यह नोटिस किया कि दयालबाग में कायार्नुभव आधारित शिक्षण की पूरी व्यवस्थित श्रृंखला मौजूद है।

पाठ्यक्रम की सामजिक उपादेयता और उसके प्रभावों की व्यापक चर्चा हुई। यह पाया गया कि पाठ्यक्रम मूल्यपरक होने के साथ.साथ आत्मनिर्भर नागरिक बनाने में पूरी तरह सक्षम है। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि नैक टीम के सदस्यों ने अलग.अलग रूपसे छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से प्रश्न किए और पाठ्यक्रम के लक्ष्य और उसकी प्राप्ति के तरीकों से प्रभावित हुएए नैक टीम के सदस्यों ने पाया कि निजीकरण के दौर में जबकि देश के तमाम संस्थान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महंगी फीस को बढ़ावा दे रहे हैं और अभिभावक और छात्र दोनों इससे परेशान हैं तब इतने कम खर्च पर मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अर्जित करना सिर्फ दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्रांगण में ही संभव है। यह अनुभव टीम के सदस्यों को आश्चर्यचकित करने वाला था। यह शिक्षा न केवल आगरा बल्कि भारत और विदेश के 430 सेंटर पर भी उपलब्ध है। पढाई में कमजोर बच्चों के लिए कोर्स के अंतर्गत दी जाने वाली रेमेडियल कोचिंग और ब्रीज कोर्सए मूल्यांकन प्रणाली में रोज दिए जाने वाले अनिवार्य गृह कार्यों की गुणवत्ता की भी प्रशंसा की गई। शारीरिक रूप से अशक्त विद्यार्थियों के लिए कैम्पस में मिलने वाली सुविधाओं और सौहार्द्रपूर्ण माहौल की नैक टीम द्वारा विशेष तौर पर प्रशंसा की गई। इसी दिन संस्थान के परीक्षा विभाग, विभागाध्यक्षों और संकाय प्रमुखों से टीम के सदस्यों ने अलग-अलग मुलाकात की। अधिकारियों द्वारा टीम की जिज्ञासाओं का समाधान उचित माध्यम से किया गया।

इसी दिन विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों से भी टीम के सदस्य मिले। विश्वविद्यालय के विकास में पुरा छात्रों के योगदान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। पुराछात्रों ने टीम के सामने इस बात को रखा कि विश्वविद्यालय के गुणात्मक पाठ्यक्रम और सहचर्या क्रियाकलापों की वजह से जीवन और समाज को देखने की एक सर्वथा मौलिक दृष्टि मिली जिसके चलते वे जीवन में एक सफल मुकाम हासिल कर सके।

शाम को विश्वविद्यालय की ओर से टीम के सामने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत की गईए कथक नृत्य, गजल गायन, नाटक, इंस्ट्रुमेंटल और समूह गान की प्रस्तुतितियों ने नैक टीम को मंत्रमुग्ध किया। उक्त अवसर पर टीम के अध्यक्ष प्रो. प्रकाश सारंगी ने अपने संबोधन में कहा कि अकादमिक गतिविधियों और सृजनात्मक क्रियाकलाप में दयालबाग संस्थान बेजोड़ है। आने वाले वर्षो में निश्चित ही यह शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

डीईआईःसामुदायिक सेवाओं के जरिए छात्रों को शिक्षा पर नैक टीम बेहद खुश

खासकर मेडिकल कैम्प के माध्यम से तो सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि रोजगारए कृषि, बैंकिंग आदि से संबंधित परामर्श भी ग्रामीणों को दिए जाते हैं। टीम के सदस्यों ने मेडिकल कैम्प के संयोजक डॉण विजय कुमार जी और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सौरभमणि से मुलाकात की और विस्तार से कैम्प की गतिविधियों की जानकारी ली। सामाजिक उत्थान के लिए इस तरीके की सामुदायिक गतिविधियों के सञ्चालन की सराहना करते हुए और विस्तारित करने की कामना की। दयालबाग शिक्षण संस्थान में भ्रमण के दौरान चौतरफा स्वच्छता और पर्यावरण मित्र परिवेश ने भी टीम के सदस्यों को आकर्षित किया। ज्ञातव्य हो कि मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा किए गए सर्वे में स्वच्छता रैंकिंग में संस्थान को देश में पांचवा स्थान प्राप्त हो चुका है। पर्यावरण के लिहाज से महत्त्वपूर्ण बायोडायवर्सिटी पार्क, भाषा शिक्षण और संरक्षण के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण लैंगुएज लैबए आदिवासी और सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को पढ़ने के लिए सूचना तकीनीक के उपकरणों से लैस क्लास रूम, खेल प्रांगण और नव निर्मित जिम्नेजियम हाल, छोटे बच्चों के रखरखाव के लिए प्राकृतिक तरीके से बम्बू के बने क्रेच, फूड प्रोसेसिंग की लैब तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के उत्पादों की प्रदर्शनी टीम के सदस्यों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

विद्यार्थी केन्द्रित संस्थान के रूप में ख्यातिलब्ध डी.ई.आई. को नैक के पांचवें मानक विद्यार्थी सहायता और प्रगति में भरपूर प्रशंसा मिली। पांच सदस्यीय टीम यह जानकर प्रसन्न हुई कि संस्थान पूर्णतः रैगिंग मुक्त है। टीम के सदस्यों को यूजीसी के पोर्टल पर छात्रों की कोई शिकायत नहीं मिलीए साथ ही साथ विद्यार्थी कल्याण तथा लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के मामले में भी जांच की और संतुष्ट हुए। इसी दौरान छात्रों और उनके अभिभावकों से अलग-अलग बातचीत कर खुश हुए कि विद्यार्थी यहाँ पूर्ण रूप से अकादमिक और अन्य शैक्षणिक संसाधनों के बीच अपने व्यक्तित्त्व को डीईआई के मूल्यों के अनुसार विकसित कर रहे हैं। कैम्पस में वर्षा जल संरक्षण सौर ऊर्जा, डेयरी के दुग्ध उत्पादों तथा विद्यार्थियों द्वारा दुग्ध से निर्मित पदार्थों का निर्माण तथा वितरण संबंधी गतिविधियों को विस्तार से समझा। बायोगैस प्लांट, रिवर बैंक फिल्ट्रेशन प्लांट तथा आर्गेनिक खेती के साथ-साथ प्राकृतिक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया।

नैक परिषद् द्वारा किसी भी विशवविद्यालय की प्रगति हेतु पांच लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं जो इस प्रकार है। शिक्षा, राष्ट्रीय प्रगति के लिए शिक्षा विद्यार्थियों में वैश्विक सक्षमता पैदा करने के लिए शिक्षा विद्यार्थियों में एक मूल्य व्यवस्था विकसित करने के लिए, शिक्षा में तकनीकी उपयोग का प्रोत्साहन तथा शिक्षा उत्कृष्टता के लिए खोज करने के लिए। नैक टीम के सभी सदस्य इस बात से पूर्ण रूप से सहमत थे कि डीईआई की शिक्षा पूर्ण रूप से नैक द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करते हुए सामाजिक योगदान और विस्तारित गतिविधियों में अव्वल है। इसके लिए यहाँ के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का समर्पण प्रशंसा योग्य है।

नम आंखों ने शहीद की शहादत को किया नमन